

## AMBE TU HAI JAGDAMBE KALI AARTI LYRICS PDF

अम्बे तू है जगदम्बे काली, जय दुर्गे खप्पर वाली ।  
तेरे ही गुण गायें भारती, ओ मैया हम सब उतारें तेरी आरती ॥

तेरे भक्त जनों पे माता, भीर पड़ी है भारी ।  
दानव दल पर टूट पडो माँ, करके सिंह सवारी ॥

सौ सौ सिंहों से तू बलशाली, दस भुजाओं वाली ।  
दुखियों के दुखडें निवारती, ओ मैया हम सब उतारें तेरी आरती ॥

माँ बेटे का है इस जग में, बडा ही निर्मल नाता ।  
पूत कपूत सूने हैं पर, माता ना सुनी कुमाता ॥

सब पर करुणा दरसाने वाली, अमृत बरसाने वाली ।  
दुखियों के दुखडे निवारती, ओ मैया हम सब उतारें तेरी आरती ॥

नहीं मांगते धन और दौलत, न चाँदी न सोना ।  
हम तो मांगे माँ तेरे मन में, इक छोटा सा कोना ॥

सबकी बिगडी बनाने वाली, लाज बचाने वाली ।  
सतियों के सत को संवारती, ओ मैया हम सब उतारें तेरी आरती ॥

अम्बे तू है जगदम्बे काली, जय दुर्गे खप्पर वाली ।  
तेरे ही गुण गायें भारती, ओ मैया हम सब उतारें तेरी आरती ॥